

मैनेजमेंट करिकुलम में टेक्नोलॉजी हो रही इंट्रोड्यूस

जयपुर ● मैनेजमेंट एजुकेशन में टेक्नोलॉजी का रोल बढ़ गया है। एमबीए प्रोग्राम्स में अब टेक्नोलॉजी इंट्रोड्यूस होने लगी है। यूएस में एक



कंपनी ने ड्रोन के जरिए होम डिलिवरी कर यह साबित कर दिया है कि आने वाले समय में मैनेजमेंट एजुकेशन में चुनौतियां बढ़ने वाली हैं। इसलिए कई मैनेजमेंट स्कूल नए करिकुलम में टेक्नोलॉजी के इन बदलावों को शामिल करने लगे हैं। डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया मार्केटिंग, मोबाइल इंटरव्यूज और फाइनेंशियल सर्विसेज स्मार्टफोन का उपयोग कर चीजों को आसान बनाने पर काम कर रही हैं। इसलिए मैनेजमेंट एजुकेशन में अब बड़े बदलावों की

तैयारी हो रही है। इससे स्टूडेंट्स को काफी फायदा होने वाला है। स्टूडेंट्स को क्रिएटिव फील्ड में जाने के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही रिसर्च और रिटेल इंडस्ट्री में भी उनके लिए मौके बढ़ेंगे।

एक साल की हो ट्रेनिंग

मैनेजमेंट एजुकेशन में ट्रेनिंग सबसे बड़ा पार्ट है। कोर्सेज में कम से कम एक साल की ट्रेनिंग जरूरी की जानी चाहिए। इससे स्टूडेंट्स को मार्केट की प्रैक्टिकल नॉलेज और एक्सपोजर मिलेगा। साथ ही उनमें रिस्क लेने की क्षमता भी बढ़ेगी। मैनेजमेंट में एंटरप्रेन्योरशिप के प्रोजेक्ट में डेबट करने चाहिए। उन्हें स्किल के आधार पर डिग्री मिले।

-डॉ. मनोज कुमार भाटिया,
एसोसिएट डीन, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी